कृषि विज्ञान केन्द्र, बरेली द्वारा इनपुट डीलर्स की मूल्याँकन एवं पारस्परिक विचार-विमर्श कार्यशाला का आयोजन

जिसकी अध्यक्षता संस्थान के निदेशक डॉ॰ राज कुमार सिंह ने की। इस अवसर पर अपने सम्बोधन में उन्होने कृषि प्रसार कार्य मे इनपुट डीलर्स के महत्व की चर्चा करते हुए बताया कि भारत सरकार ने इस डिप्लोमा कोर्स का आयोजन इसलिए किया है कि कृषक वर्षभर कृषि इनपुट्स की खरीद के लिए इनपुट डीलर्स के संपर्क में रहते हैं तथा विभिन्न इनपुट्स के बारे में उनसे जानकारी लेते रहते हैं इसलिए इनपुट डीलर्स का अपडेट रहना बहुत आवश्यक है। इनपुट डीलर्स को अपने कार्य को व्यवसाय के साथ-साथ कृषक हितों के संदर्भ में रखकर भी करना चाहिये। संयुक्त निदेशक, प्रसार शिक्षा डॉ॰ महेश चन्द्र ने जानकारी दी कि मैनेज द्वारा इस कार्यक्रम को वर्ष 2003 से देश भर में चलाया जा रहा है, देश में लगभग तीन लाख इनपुट डीलर्स हैं जो यदि नवीन तकनीकियों के बारे में अपडेट रहें और किसानों का उचित जानकारी दें तो कृषि प्रसार का कार्य सुगम हो जायेगा।

मैनेज, आत्मा बरेली तथा कृषि विज्ञान केन्द्र बरेली द्वारा वर्ष 2016-17 में इनपुट डीलर्स के लिए एक वर्षीय पाठ्यक्रम "डिप्लोमा इन एग्रीकल्चर एक्सटेंशन सर्विसेज फॉर इनपुट डीलर्स" आयोजित किया गया था जिसमें भारतीय पशु चिकित्सा अनुसंधान संस्थान, इज्जतनगर, रामपुर, पीलीभीत, बरेली के कृषि विज्ञान केन्द्रों के वैज्ञानिकों, कृषि ज्ञान केन्द्र, बरेली तथा मेरठ एवं पंतनगर कृषि विश्वविद्यालय के प्राध्यापकों ने प्रशिक्षण प्रदान किया साथ ही प्रशिक्षणार्थियों को पंतनगर कृषि विश्वविद्यालय तथा लखनऊ के विभिन्न संस्थानों का भ्रमण भी कराया गया। कार्यक्रम में मैनेज, हैदराबाद द्वारा नामित विशेषज्ञ डॉ॰ रश्मि अग्रवाल, पूर्व निदेशक, नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ लेबर इकोनॉमिक्स रिसर्च एंड डेवलपमेंट, नीति आयोग, भारत सरकार तथा बंदा वी॰एल॰एन॰ रॉव, पूर्व उप-सलाहकार, योजना आयोग एवं इन्टरनेशनल लेबर ओर्गेनाइज़ेशन के सलाहकार कार्यक्रम का मूल्याँकन करने के लिए आये जिन्होने इनपुट डीलर्स तथा प्रशिक्षकों से परस्पर विचार-विमर्श करके कार्यक्रम का मूल्याँकन किया तथा सभी से सुझाव भी मांगे जिससे भविष्य में इस कार्यक्रम को और उपयोगी बनाया जा सके। कार्यक्रम में अध्यक्ष, कृषि विज्ञान केन्द्र डॉ॰ राज करन सिंह, प्रभारी, कृषि ज्ञान केन्द्र डॉ॰ अजय सेन चौधरी, डॉ॰ एस॰पी॰ सिंह ने भी अपने विचार रखे। निदेशक, भाकृअनुप-भारतीय पशु चिकित्सा अनुसंधान संस्थान द्वारा प्रशिक्षणार्थियों को मैनेज, हैदराबाद द्वारा दिये गए प्रमाणपत्र भी वितरित किए गये। इस अवसर

पर पशु पोषण विभाग के डॉ॰ पुतान सिंह, कृषि विज्ञान केन्द्र का स्टाफ तथा सभी 40 प्रशिक्षणार्थी उपस्थित थे।